प्रेस-विज्ञप्ति **20.01.2024**

एम.एस.एम.ई. – आउटरीच प्रोग्राम
(व्यापारी बंधुओ, आयातक एवं निर्यातक वर्ग हेतु)

आज दिनांक 20 जनवरी 2024 समय शाम 4:00 बजे मर्चेंट चैंबर आफ उत्तर प्रदेश द्वारा एम.एस.एम.ई. आउटरीच प्रोग्राम पर समस्त व्यापारी बंधुओ, आयातक एवं निर्यातक वर्ग के लिए एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

सत्र के मुख्य अतिथि श्री सुनील कुमार संयुक्त आयुक्त उद्योग उत्तर प्रदेश एवं विशिष्ट अतिथि श्री सुनील अग्निहोत्री, सहायक निदेशक एमएसएमई डीएफओ कानपुर थे। श्री सुनील वैश्य, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आईआईए, तथा श्री एस.पी. यादव सहायक आयुक्त उद्योग उत्तर प्रदेश कानपुर उपस्थित थे। चेंबर की परंपरा स्वरूप, गणमान्यों का सम्मान पुष्प गुच्छ देकर किया गया।

सत्र का प्रारंभ करते हुए स्वागत भाषण चेंबर की इंडस्ट्री समिति के अध्यक्ष श्री सुशील शर्मा ने करते हुए सत्र के मुख्य अतिथि श्री सुनील कुमार जी तथा विशिष्ट अतिथि श्री सुनील अग्निहोत्री जी, मंचासीन गणमान्यों, चेंबर के काउंसिल मेंबर्स एवं अन्य सदस्य गणों व मीडिया कर्मियों का सम्मान किया। तथा श्रीमान विभागीय अधिकारी गणों से अनुरोध किया कि वह (केंद्र व राज्य) सरकार की एमएसएमई उत्थान एवं विकास हेतु संचालित की जा रही योजनाओं को चेंबर के सदस्यों के मध्य साझा करने की कृपा करें।

एम.एस.एम.ई. हेतु राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत वर्णन के लिए श्री एस.पी. यादव, सहायक आयुक्त, उद्योग, उत्तर प्रदेश, कानपुर का आमंत्रित किया गया।
श्री एसपी यादव जी ने:
- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ((https://www.kviconline.gov.in) पर उपलब्ध है.
- मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना (पूर्णतया ऑनलाइन है तथा https://diupmsme.upsdc.gov.in/login/registration_login पर उपलब्ध है)
- औद्योगिक इकाई हेतु स्टांप शुल्क में छूट/प्रतिपूर्ति की व्यवस्था
- एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण हेतु सहायता योजना
- निजी औद्योगिक संस्थान के विकास की योजना
- उत्तर प्रदेश सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम प्रोत्साहन नीति 2022 संचालित की जा रही आदि पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

श्री सुनील अग्निहोत्री जी ने केंद्रीय योजनाओं का प्रस्तुतिकरण करते हुए निम्नलिखित जानकारियां साझा की और हुए बताया कि एमएसएमई आर्थिक विकास, नवोन्मेष और रोजगार के मजबूत संचालक की रीढ़ है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत एम.एस.एम.ई. के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहे हैं। इस हेतु एमएसएमई मंत्रालय और इसकी संगठन द्वारा कई सारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जैसे : प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) : मौजूदा पीएमईजीपी/ मुद्रा इकाइयां, उन्नयन के लिए दूसरा ऋण, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग उद्यम के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम (सीजीटीएमएसई) , सूक्ष्म और लघु उद्यम क्लस्टर विकास कार्यक्रम स्कीम (एमएसई-सीडीपी), परंपरागत उद्योगों की पुनर्जन के लिए निधि स्कीम (स्फूर्ति), उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) स्कीम, प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता स्कीम, कयर विकास योजना, प्रापण और विपणन सहायता स्कीम, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग स्कीम, राष्ट्रीय

एससी-एसटी हब, नव प्रवर्तन ग्रामीण उद्योग और उद्यमिता संवर्धन स्कीम (एस्पायर), खादी ग्रामोद्योग विकास योजना पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम में एमएसएमई का संवर्धन टूल रूम और तकनीकी संस्थान, नवसंरचना विकास एवं क्षमता निर्माण, एमएसएमई चैंपियनशिप स्कीम तथा संकटग्रस्त एमएसएमई के लिए अनुसंगी ऋण हेतु क्रेडिट गारंटी स्कीम, आत्मनिर्भर भारत निधि तथा एमएसएमई का निष्पादन का उत्थान और गतिवर्धन। मौजूदा उद्यमी एवं आकांक्षा उद्यमी हेतु प्रत्येक संचालित योजनाओं के उद्देश्य मुख्य लाभ विस्तृत जानकारी, आवेदन करने हेतु लिंक व क्यू आर कोड सहित आदि समस्त जानकारियां व नियमित अपडेट www. msme.gov.in पर उपलब्ध है। आप सभी उक्त लिंक पर जाकर भारत सरकार सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा संचालित साझा की गयी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा दिए गए लिंक पर आवेदन संबंधी कार्रवाई पूर्ण कर सकते हैं।

सत्र के अंत में शंका समाधान सत्र का आयोजन किया गया जिसमें सत्र में उपस्थित चेंबर के सदस्यों ने परस्पर विभागीय सहयोग की सराहना करते हुए एमएसएमई उठाने हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं पर सवाल पूछे जिनका समुचित उत्तर विभागीय अधिकारियों द्वारा दिया गया।

सत्र का संचालन चेंबर के सचिव श्री महेंद्र नाथ मोदी एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री योगेश दुबे ने ज्ञापित किया।

सत्र में मुख्य रूप से श्री शरद शाह, श्री आदेश टण्डन, श्री अनिल सक्सेना, श्री यश भरतीया, श्री उमेश पांडे, अधिवक्ता श्री संतोष गुप्ता, श्री शिवांश मेहरा, श्री सुनील त्रिवेदी, श्री शेष नारायण त्रिवेदी, श्री रूफी वाकी, उद्यमीगण, आयातक-निर्यातक बंधु आदि उपस्थित रहे।